

DPN 5600

Title : अनन्त व्रत पुस्तक ANANTA VRATA PUSTAK

Run. No. 6291

Cat. No.

Micro. No.

Subject धार्मिक विधि-
Religious ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

नेपालभाषा निर्देशक
Newa direction.

Size in cms. 22x8

Folios 5

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 942, 943

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमः श्री गणेशाय ॥ अथान्त व्रतमा कलि विम प्रमान ॥

श्री नीलग्रीवानन्दोपाध्याय
Shri Nilagriivanando-
pacharya

centimeter

5

10

15

20

सिनाप्री / colophon

ब्राम्हण, जोसि, आचार्य आठ दक्षिणा भोज्ये च ॥ धनंलि देवब्राम्हण, जोसि,
यात हापां विषय माल जुळो ॥ ॥ शुभ ॥

बाहा मुम्बाल, चेपन विषय मुम्बाल ॥ ॥

सम्वत् १८४२ भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा अक्षय्य शुभ ॥

स १८४३ फाल्गुण शुक्ल पूर्णिमा शुभ विवाह

धनु ५ न मीही मास अक्षय्य शुभ ॥ श्रीनीलश्रीनानंदे पाध्याय
अन्त (अनन्त) एत याक्या चो या ॥

15

10

5

0



श्रीगणेशाय नमः

centimeter

5

10

15

20

2

ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ अथ धनं वृत्तया वलिविरपमानं ॥ आद्यो वासुप
 क्रुद्र ॥ अहि न न वासुपूजायाय ॥ अहि न थग स्वानगयाव हनि घालक
 यथाग के न माल ॥ धनुलि न हनि घालकयक ॥ ॥ आचार्य धनव
 लिपाक १ विर ॥ होऊ न मूचात ॥ सिद्धाविरपक स्यात ॥ ॐ नि वासुवि
 धि ॥ ॥ धनं लि वरुद्ध नि नियक्रुद्र २१ हायवदक याय मालः
 आक्रुद्र ॥ अहि ॥ आचार्य ॥ विधिर्ध ॥ वृद्धि अद्वयाय ॥ नियक्रुद्र न २॥

को मा नी पूजा को मा नी को मा नी लर
 लाड वरुद्रया उयाद नि क्रुद्र ॥ इक्षत्रयाय ॥ अहि न वा क्रुद्र ॥ आचार्य
 न ॥ विवाहया कर्म धं रुला ॥ पिथि पूजा डान माल ॥ कलम दि माल को
 वाया डानय ॥ धानासन वीया ड ॥ अदेवया के न विन्द का डभय माला
 १०८ ड ॥ भगविन्द का सघाय ॥ पा. वि. वा. म. उ. ग. व. ङ. कयहत्र ॥ श्री ना
 धनं गति क्रुद्र वरुद्ध नि क्रुद्र ॥ अग्नि स्थापन ॥ आचार्य न ॥ कोरव न मग
 यकं रिधाय इकाय ॥ ॐ दि नि न घटि नयक ॥ धन वला रुल ठा ड ॥ अ

ग्रिथापन॥ आचार्य्य द. दिन वलिवियपान १ वलि. थंछिलरूपा १
 छि. कंमखात्रा १ सिऊलखात्रा १ विधिथं वलिविय. वृक्षसनवृख. दम
 वलिविय. कंमह कंमखात्रासिऊखात्रा १ ॥ धनंदिन। वलिऊत्रा ॥ ॥
 धनंलि. नाजिऊलठाडा. नाजीसकर्म वलिविय आचार्य्य द. ॥ ॥
 नावाकसन. पुल्लू पूजा. नाजीहामयाय॥ आचार्य्य न कर्म वलिवि
 य. पात ४५ दिग वलि ४ पात १ मूल वलि. कलमग्व ३ थंदिनसं

विधिथं वलिविय॥ नाजी वलिस दखामइ म्म वानमइ॥ नाजी वलिया
 जोसंमालकाग्या॥ धनंलिसनि कूकू पूरुमा कूकू पूरुमाइतिविय.
 वनधूनक. नंकाळइया॥ आचार्य्य द. दम वलि १ छिखासिवासविय॥
 धनंलिसनि कूकू पत्तालमूनि कूमाल॥ पीडू कूकू वडुर्थि पूजायाय॥
 आचार्य्य द. कोमानी पूजायाय. कोमानी वीय कूमानी पुसादकयाडा
 शऊनयाय॥ ॥ धनंलिसनि कूकू अग्नि कूधुनाक पोयाडाग्या॥ ३४

नाय पाताय धू. ऊऊमका
रिगाउ. गुरु. वडुस. अऊम.
कायवध. मालको. कूऊका
पसुका. अइस. वीडाकवा.
ऐगववागव ६० कलमगव
खासिवाग २ सग १०
निस्तग ४ कंसरपा २
कंधलो गगव ५ सिऊखाग
सुयिवाक ४. पुलपाग २
हुश्कि ३ नकीत्रिमाका
ऊसरापासाका.
सिङ्गकाक २ त्रिगक २
गोयगुक २ लाकूकापक ३
पंचनगिकापसाका
वीखापा २

२३

प्रसादनाकपूयाडागया॥ धनं लिखालु धनुषपूरु माकूक नलि काकाया॥
 नलि काकायागः वाक्क धन विसर्जन पूजा आचार्यन कापां सनका
 डाविया॥ धनं लिखन सनक कूधुम धन नल॥ आचार्य धन मन्त्र
 कोरध उड्डिन वलि पागे विविय॥ वाक्क धन नूनी सन कोरध वधु
 पूजा गामुपाठ॥ धन धूक का डा आचार्य ध वलि विसर्जन या डा डा
 कूधुम नलि काकाया स्वपासन काया डा वधु पूजा संग स्वपासन ३

प्रसादनाकपूयाडागया
 नलि काकायागः
 वाक्क धन विसर्जन पूजा
 आचार्यन कापां सनका
 डाविया
 धनं लिखन सनक
 कूधुम धन नल
 आचार्य धन मन्त्र
 कोरध उड्डिन वलि पागे
 विविय
 वाक्क धन नूनी सन कोरध
 वधु पूजा गामुपाठ
 धन धूक का डा आचार्य
 ध वलि विसर्जन या डा डा
 कूधुम नलि काकाया स्वपासन
 काया डा वधु पूजा संग स्वपासन ३

नय वलि संगया डा वलि सूतिसनय कल क्रीय वधु पूजा या डा गुं नय
 कल क्रीय॥ वाक्क धन डा सि आचार्य या नय दक्षि धन सो संच॥ धन लिखि
 देव वाक्क धन डा सि आचार्य या नय कापां विय मा लरुन॥ ३०॥
 वाक्क मन्त्राल वपन धियं मन्त्राल॥ ॥ संवत् २४२ राउ वधु क्रीया
 पूरु मायल नमरु रुन॥ सं २४३ राउ वधु क्रीया पूरु माकूक विसर्जन
 कुन॥ धनुष दन संगि नमा संक यरुन॥ एनी लगी वी धनो पा धन या गुन

नय वलि संगया डा वलि सूतिसनय
 कल क्रीय
 वाक्क धन डा सि
 आचार्य या नय दक्षि धन
 सो संच
 धन लिखि
 देव वाक्क धन डा सि
 आचार्य या नय कापां विय
 मा लरुन
 ३०
 वाक्क मन्त्राल
 वपन धियं मन्त्राल
 संवत् २४२ राउ वधु क्रीया
 पूरु मायल नमरु रुन
 सं २४३ राउ वधु क्रीया
 पूरु माकूक विसर्जन
 कुन
 धनुष दन संगि नमा संक
 यरुन
 एनी लगी वी धनो पा धन या गुन

१ गंगा अन्नक वनया वलि विययाग गाल लाव क थ न ॥

वाक पन कू कू हन वलि कू पाग १ विय वा हां नू म्वाल ॥ ली क नं म्वाल ॥
कं म खी रा सि कू खी रा माल ॥ ॥ दिन वलि विय कू कू थ न माल ॥ ॥

पाग ५ हग व चा पाग १ कं म खी रा ग १ कं म खी रा ग १ सि कू खी रा पाग १
पू लू रि १ दु रि पाग ४ स गं मं १ वा हां रु यि रा ॥ द म व लिय ग १ रा
सि वा रु १ कू कि जा थू य कं म खी रा सि कू खी रा पा क पाग १ स गं

ना वि व लिय थ न माल ॥ रंग ७ ५ पाग कल म ग ३ थ धि न कल स स क
वि क पा ल कू कू कल स वि कू म कल स स वि कू म थ थ कल स वा य ॥
कं म खी रा १ कं म खी रा ग १ सि कू ल खी रा ग १ मं ख ग १ म वि स ह कं ॥ रि
२ दु रि पाग १ पू लू आ स दि ॥ ना हा घ पू हा त पा ४ स गं पंच स ग कू
मा वि स ग ॥ वि न का प कू २ झा ड का प कू १ ना य का प कू १ पाग कू १
न कि माल का मं १ रु यि रा रु ३ नि स रा आ वा र्थ क २ थ न रा जी या ॥

कं म खी रा १ रु यि रा २ नि स रा

शुद्धमन्त्रपुस्तक

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ कायका नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

Centimeter 5

10

15

20

25